

## पटना में मलिा दक्षणि अफ्रीकी वेरिएंट ओमीक्रोन बीए.2

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में बिहार की राजधानी पटना में दक्षणि अफ्रीकी ओमीक्रोन वेरिएंट का जेनेटिक पैटर्न बीए.2 मलिा है। यह वेरिएंट संक्रामक है और तेजी से लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है।

### प्रमुख बिदु

- दक्षणि अफ्रीका में इसके प्रसार के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन के वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों ने इसे डेल्टा वेरिएंट से सात गुना ज्यादा संक्रामक बताया है। हालाँकि विशेषज्ञों के मुताबकि डेल्टा के मुकाबले यह कम घातक है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार ओमीक्रोन वेरिएंट (पैंगो वंश के मूल बी.1.1.529) में तीन वेरिएंट (बीए.1, बीए.2 और बीए.3) हैं। बीए.2 म्यूटेंट को 'ओमीक्रोन लाइक' भी कहा जाता है और इसे पहचानना ज्यादा कठिन है।
- बीए.1 और बीए.3 में स्पाइक प्रोटीन में 69-70 वलियोपन है, जबकि बीए.2 में ऐसा नहीं है। इस वलियोपन के चलते ये सब-वेरिएंट मौजूदा वैक्सीन को चकमा देने में सफल होते हैं और उनका तेजी से प्रसार होता है।
- जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीओबी) के भारतीय सार्व-सीओवी-2 जीनोमिक्स कंस्टोरथिम (इंसाकाग) के वैज्ञानिकों ने बताया कि इन तीनों सब-वेरिएंट में से भारत में जीनोम सीक्वेंसिंग में बीए.1 और बीए.2 की मौजूदगी ज्यादा मलि रही है। इसमें भी खासकर बीए.1 तेजी से डेल्टा का स्थान ले रहा है और महाराष्ट्र एवं कई अन्य राज्यों में ज्यादातर मामले इसी के मलि रहे हैं। बीए.3 अभी भारत में नहीं मलिा है।
- गौरतलब है कि बिहार और भारत में घनी आबादी के कारण इसका संक्रमण बहुत तेजी से फैल रहा है। जसि तेजी से यह संक्रमण फैल रहा है वह एक दिन में संक्रमितों की संख्या मलिन का पछिला सारा रिकॉर्ड तोड़ सकता है।
- वही, भारत में अभी इसका प्रसार हाल ही में होने से अब तक घातक स्वरूप सामने नहीं आया है। अब तक मलि संक्रमितों में इसका हल्का लक्षण ही देखने को मलि रहा है। यह संक्रमण फेफड़े की बजाय ज्यादातर मामले में साँस नली से सीधे पेट में जाते दखि रहा है। इसलिये इस बार साँस के गंभीर पीड़ति बहुत कम दखि रहे हैं।
- इससे बचाव के लिये कोरोना मानकों को अपने व्यवहार में शामिल करना ही एकमात्र उपाय है।